# भारत का राजपत्र The Gazette of India

### **असाधार**ण **EXTR**AORDINARY

भाग II—इन्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भाषिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



vi. 281] No. 281] नई दिल्ली, गुन्न वार, मई 17, 1989/बैशाख 27, 1911 NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 17, 1989/VAISAKHA 27, 1911

इस भाग में भिरन पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कियह अलग संकलन के रूप मैं रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

श्रम मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 मई, 1989

का.आ. 360 (ई): — कमंचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के पहले परन्तुक द्वारा प्रवत्त भिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पहली जून, 1989 से संतरन अनुसूची में विनिर्दिष्ट उद्योगों में प्रत्येक स्थापना और उकत अनुसूची में विनिर्दिष्ट स्थापनों की श्रेणियों को ऐसे स्थापन और स्थापन कीर स्थापनों की श्रेणी विनिर्दिष्ट करती है जिन पर उकत परन्तुक लागू होगा :—

वह अधिसूचना निम्निखित पर लागू नहीं होगी:--

(1) कोई स्थापना जिसमें 50 से कम व्यक्ति कार्य करते हैं.

- (2) रुग्ण औद्योगिक कम्पनी (विशेष उपबंध) अधि-नियम, 1985 (1986 का 1) की घारा 3 के खण्ड (ण) में दो गई परिमाणा के अनुसार कोई रुग्ण औद्योगिक कम्पनी जिसने उक्त अधिनियम की घारा 15 के अंतर्गत औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्गठन हेतु बोर्ड को जो उस अधिनियम की घारा 4 के अशीन गठित है, संदर्भ मेजा हो, तथा
- (3) अन्य कोई स्थापन, जिसने किसी वित्तीय वर्ष के अन्त में अपनी सम्पूर्ण परिसम्पत्तियों से अधिक या उसके बराबर हानि उठाई हो तथा ऐसे वित्तीय वर्ष में तथा उसने पूर्व के वित्तीय वर्ष में नकव हानि उठाई हो।

स्पान्टीकरण: -खण्ड (3) के उद्देश्य के लिये

"रोकड़ हानि" से तास्पर्य मूल्य-हास के बिना हानि है।

#### अनुसूची

#### क्रम निम्नलिखित वस्तुओं के उत्पादन में लगे उद्योग/स्थापना संख्या वर्ग का नाम

- 1. सीमेंट
- 2. सिगरेट
- विद्युत, मैं केनिकल या सामान्य इंजीनियरिंग उत्पाद
- लोहा और इस्पात
- 5. भाषिस
- 6. खाद्य तेल तथा बसा जिसमें बनस्पति भी शामिल है।
- 7. घीनी
- १८ १वर और रबर उत्पाद
- विख्त जिसमें विद्युत उत्पाद संचिरण तथा वितरण शामिल है
- 10. चाय
- 11. मुद्रण जिसमें मुद्रण के लिए टाईप कम्पोज करना, लैंटर प्रैस द्वारा मुद्रण लीथोग्राफी फोटो ग्रेवियोर या इसी प्रकार के अन्य कार्य या जिल्दवाजी ।
- 12. कोच
- 13. स्टोन वेयर पाइप्स
- 14. सनेटरीवैयरस
- 15. उच्च निम्नतापी विश्वतीय पोर्सलेन
- 16. रिफ बर्टरिज
- 17. टाइसें
- 18. भारी और उत्तम रसायन जिसमें निम्नलिखित गामिन है :-
  - (क) उबरक
  - (ख) टरपैन्टाइन
  - (ग) रेक्तिन
  - (घ) मेडिकल एंड फार्रम स्यूटिकल प्रिपरेशन्त
  - (ड.) सौंदर्य प्रसाधन तैयार करना
  - (च) साबुन
  - (छ) स्याही 🕆
  - (ज) मध्यम, रंजन, वर्ण लाख तथा टोनर्स
  - (झ) पैटी रसायन और
  - (ङ) आक्सीजन, ऐसिटिलीन तथा कार्बन खाईआकसाईड गैसें।
- 19. नील
- 20. लाख जिसमें शैलाख भी णामिल है;
- 21. अखाध वनस्पति तथा जन्तु तेल और वसा
- 22. खनिज तेल परिष्करण ;
  - औद्योगिक तथा पावर अल्कोहल

- 24. ऐसबस्टेस काटन गीट्स
- 25. विस्कुट बनाने के उद्योग जिसमें बिस्कुट बनाने के मिश्रित यूनिट और अन्य ऐसे उत्ताद जैसे उबनरोटो कस्फेक्शनरी तथा दुग्ध पाउदर शामित है।
- 26. अभ्रक
- 27. प्लाईव्ड
- 28. आटोमोबाइल मोटर मरम्मत तथा सर्विसिंग
- 29. चावल मिल
- 30. आटा मिल
- 31. दाल मिल
- 32. स्टार्च
- 33. पैट्रोलियम था प्राकृतिक गैस गरेपण, संभावनाएं ड्रिलिंग उत्पादन या परिष्करण
- 34. चमड़ा व समड़ा उत्पाद
- 35. स्टोन बेथर जार
- 36. चीनी के वर्तन
- 37. फल तथा सब्जी परिरक्षण उद्योग अर्थात् कोई भी ऐसा उद्योग जो निम्नलिखिन वस्तुओं में से किसी भी बस्तु का उत्पादन करना है या तैयार करना है:—
  - (1) डिन्या यंद तथा बौतल बंद सन्जियां
  - (2) फल और गूबे की डिज्बे में और बोतलों में बंद करना
  - (3) ठण्डे किये गये फल तथा सब्जियां
  - (4) जैम, जली और मार्मलेडस
  - (5) दमाटर उत्पाद, चटनी और सोसेज,
  - (6) शर्बत, ऋग पौष्टिक पेय तथा तुरस्त तैयार करके पिलाये जाने वाले या फलों के जूस या फलों के गृहे वाले अन्य पेय पदार्थ।
  - (7) परिरोक्षत, मिश्री मिले फल और किसटल आकार तथा छिले हुए फल
  - (8) चटनी
  - (9) फल और सब्जियों के परिरक्षण अथवा डिब्बा बंदी से संबंधित कोई अग्य अन उल्लिखित दस्तुएं।
- 38. कनफैक्शनरी
- 39. बरन
- 40. जुश
- 41. प्लास्टिक एवं प्लास्टिक उत्पाद
- 42. लेखन सामग्री उत्पाद
- 43. ऐरेटेंड बाटर, मृदु पेय या काबेनिटिड वाटर

- 44. स्प्रिटं का आसवनं तथा परिष्करण (औद्योगिक तथा पावर अल्कोहल में नहीं आता है) तथा स्प्रिट का मिश्रण तैयार करना;
- 45. पेन्टस तथा बारनिश
- 46. अस्थि पीसना
- 47. पिक्स
- 48 दुग्ध एवं दुग्ध उत्पाद
- 49. पिण्डों के रूप में अलीह धातु तथा मिश्रित धातु
- 50. तम्बाक् की पत्तियों को तोड़ना, पुनः सुखाना, छाटना, संसाधन करना वर्गीकरण करना तथा पैकिंग करना।
- 51. अगरबसी (धूप और धूप बसी मामिल है)।.
- 52. तम्बाक् उद्योग अर्थात् कोई भी उद्योग जैसे सिगार, जर्दा, सूंबनी, किमाम, गुड़ाक्
- 53. कागज जिसमें हाथ से बनाया कागज और म्रन्य कागज उत्पाद शामिल है
- 54. लाइसेंसर साल्ट
- 55. लिनोलियम तथा इन्डोलियम
- 56. विस्फोटक प्रधार्थ
- 57. ग्रातिग्राजी और भ्रापाप्त टोंपी निर्माण करना
- 58. टेन्ट निर्माण उद्योग
- 59. फैरो मैंगनीज
- 60. वर्फ तथा श्राइसकीम
- 61. धागा, भ्रटेरना, बांटना और रीलों पर चढ़ाना;
- 62. बीधर विनिर्माण
- 63. फैरोक्रोम
- 64. हीरा ≢टाई
- 65. माइरोबालम एक्सट्रक्ट पाउडर माइरोबालन एक्स्ट्रेक्ट सालिड तथा वेजिटेबिल टैनीन ब्लेंडिड एक्स्ट्रैक्ट
- 66. बागान
  - (क) चाय (ग्रासम राज्य के चाय बागानों के ग्रातिरिक्त)
  - (ख) काफी
  - (ग) इलायची
  - (घ) काली मिर्चतथा
  - (इ.) रबर
- 67. खानें
  - (क) बाक्साइट
  - (ख) चीनी मिट्टी
  - (ग) कोमाइट
  - (घ) हीरा
  - (इ.) डोलोमाइट

- (च) ग्रेफाइट
- (छ) लौह भ्रयस्क
- (ज) लिग्नाइट
- (झ) लाइमस्टोन
- (अ) मेगनेताइद
- (ट) मैंगनी*ज त*था
- (১) স্পন্স
- 68. काफी संसाधन संस्थान
- 69. सनाचार पत्र स्थापनाएं श्रामीकी स्वकार (सेवा सर्वे तथा प्रकीर्ग उपवंज) स्रजिनियम, 1955
- 70. सङ्क मोटर परिवहन स्थापनाएं।
- 71. गन्ता फार्म जिनका मालिक श्रयवा दखलदार चीनी के कारखाने का मालिक हो अथवा जिल पर मालिक या दखलदार द्वारा उपज उगायी हो श्रयवा उसकी ओर से कोई श्रम्य व्यक्ति खेती करता हो या दखलदार हो
- 72. हॉटल
- 73. जलधान गृहें
- 7.4. भंडारण अथवा परित्रहत अन्त्रा पेट्रोलियन या प्राकृतिक या प्रत्राकृतिक गैक्ष अथवा पेट्रोलियम अथवा प्राकृतिक गैस में किसी का भी उत्पादनकर्ता स्थापना
- 75. सिनेमा, जिसमें पूर्व दर्शन विषेटर, फिल्म स्टूडिया, फिल्म निर्माता संस्थान, विवारण संस्थान, जो फिल्म वर्णाने तथा फिल्म प्रांसिनिंग लेबोरेटरी में कार्य करते हैं शामिल हैं;
- 76. वस्तुओं की खरीद, बिकी या संग्रहग में लगी प्रत्येक व्यापारिक और वाणिज्यिक, स्थापना, निर्यात और भायान करने वाले विकापनदाताओं, दलालों तथा स्टाक एक्सचेंजों से संबंधिन स्थापनाएं परन्तु इसमें किसी भी केन्द्रीय या राज्य प्रधिनियम के अंतर्गत स्थापित बैंक या माल गोदाम शामिल नहीं हैं।
- 77. लकड़ी के संसाधन के उपवार में लगी स्थापनाएं जिनमें हाईबोर्ड या चित्रोर्ड, पटसन या वस्त्र निर्माण संबंधी लकड़ी के सहायक सामान, लकड़ी का फर्नीचर, लकड़ी का खेलकूद का सामान बान या बेंत की बनी चीजें लकड़ी के बने बैटरी नियोजक का विनिर्माण करने बाजी स्थापनाएं भी ग्रामिन हैं।
- 78 आरा मशीन, लकड़ी सुखाने वाल भट्टे, लकड़ी परि-रक्षण संयंत्र लकड़ी के कारजाने।
- 79. लाउंड्री और लाउंड्री सेवाएं।
- 80. ऐसे थियेटर जिनमें नाटक और ग्रान्य प्रकार के मनो-रंजन् ग्रादि होते हैं और जहां श्रोताओं या दर्शकों के रूप में प्रवेश पाने के लिए पैसे खर्च करने पडते हैं

- 81. ऐसे सोसाइटी या क्लब या संघ जो श्रपने सदस्यों या श्रांतियि के लिए उनसे पैसा लेकर भोजन या श्रांवास या दोनों या उनके मनोरंजन या उनके मनोरंजन की व्यवस्था करते हैं।
- 82. कंपनियां, सोसाइटियां, संघ क्लब या मंडलियां जो गोलाकार या अन्य प्रकार की कलाबाजी का या अन्य कोई प्रदर्शन या दोनों करतें हैं या थियेटर के बाहर अन्य किसी स्थापना किसी प्रकार का मनोरंजन करं। की इजाजत देतें हैं और ऐसे प्रदर्शनों या मनोरंजन के लिए दर्शकों या श्रोताओं को प्रदेश के लिए पैसे खर्च करने पड़ते हैं।
  - 83. कैटीन,
  - 84. मटानी एडवोकेट मिधिनियम. 1961, (1961 का 25) की परिभाषा के मनुसार,
- 85. चार्टर्ड एकाउंटेंट श्रधिनियम, 1949 (1949 का 38) में दी गई परिभाषा के झनुसार (चार्टर्ड) सनदीकृत या पंजीकृत लेखाकार,
- 86. लागत और संकर्म एकाउंटेंट प्रधिनियम, 1959 (1959 का 23) के अनुसार लागन और निर्माण कार्य के लेखाकार
- 87. ऐसे इंजीनियर और इंजीनियरी का कार्य करने वाले ठेकेबार जो पूरी तरह से भवन और निर्माण कार्य में ही न लगे हों,
- 88. बास्तुविद,
- 89. चिकित्सक और चिकित्सा विशेषज्ञ.
- 90. निम्नलिखित में लगी यात्रा एजेंसी:
  - (क) अंतरराष्ट्रीय वायु और समुद्री यात्रा टिकटों की बुकिंग और याद्रा प्रबंध,
  - (ख) देश में यायु और रेलें याद्वा टिकटों की वुकिंग व अन्य याता प्रबंध, और
  - (ग) भारत के अंदर और विदेशों से माये और विदेशों से भजे गर्ने माल की निकासी की व्यवस्था करना,
- 91. किसी भी सामान के संग्रहण पैकिंग भग्नेषण या पहुंचाने में लभी भग्नेषण एजेंसियों जिसमें माल का लदान श्रेकबल्क सेवा और विदेशी माल परिवहन सेवाएं शामिल हैं
- 92. पत्थर खनन जिसमें छत और फर्म के स्लैब निश्चित भाकार के पत्थर और पच्चीकार के काम में भाने वाले और टुकड़े तैयार करने वाली पत्थर की खबानें
- 93. ऐसे बैंक जो एक राज्य या सब शासित क्षेत्र में कार्य व्यापार करते हों और जिन की उस राज्य या संघ शासि क्षेत्र से बाहर कोई विभाग या शाखा नहीं है

- 94 कच्चे सूत की छंटाई सफाई और बुनाई में लगे स्थापन
- 95 पोणाक तैयार करने वाले कारखाने
- 96 ऐसी स्थापनाएं जो सरेत तथा जिटिलेन का उत्पादन करती हैं।
- 97 मछली संशायन तथा निरामिष खाद्य तथा सुप्रर का मांस के परिरक्षण श्रादि कार्यी में कार्यरत संयंत्र में लगे स्थापन
- 98. वित्तीय स्थापनाएं (बैंकों के प्रतावा जो एक से प्रधिक राज्यों या संघ शासित प्रवेशों में कार्यरत हूँ जैसे यूनिट ट्रस्ट ग्राफ इंडिया कृषि पुनिवत्त पोषण निगम भारतीय औद्योगिक त्रिकास बैंक भारतीय औद्योगिक विकास निगम राज्य वित्त निगम ) बाज पाने की दृष्टि से उबार देने ग्राप्तेम धन देने और धन सबंधी प्रत्य संख्यवहारों में लगी हुई त्रितीय स्थापनाओं के मामले में।

[एस-35011/9/88-एस. एस-2] भीना गृथ्ता, निदेशक

## MINISTRY OF LABOUR NOTIFICATION

New Delhi, the 17th May, 1989

S.O. 360 (E).—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees 'Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby specifies, with effect from the 1st day of June, 1989, every establishment in the industries specified in the Schedule annexed hereto and the classes of establishments specified in the said Schedule, as the establishments and classes of establishments to which the said proviso shall apply:

Provided that nothing contained in this notification shall apply to:-

- (i) any establishment in which less than 50 persons are employed;
- (ii) any sick industrial company as defined in clause (o) of section 3 of the sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1986), which has made a reference under section 15 of the said Act to the Board for Industrial and Financial Reconstruction established under section 4 of that Act; and
- (iii) any other establishment which has at the end of any financial year accumulated losses equal to or exceeding its entire assets and has also suffered cash losses in such financial year and the financial year immediately proceeding such finacial year.

Explanation.—For the purposes of clause (iii), "Cash loss" means loss as computed without providing for depreciation.

#### SCHEDULE

- Sl. No. Name of industry engaged in the manafactures of the following products or class of establishments :-
  - Cement.
  - Cigarettes.
  - 3. Electrical, mechanical or general engineering products.
  - Iron and Steel.
  - Matches. 5.
  - Edible oils and fats, including vanaspati.
  - Sugar,
  - Rubber and rubber products, 8.
  - Electricity including the generation, transmission and distribution thereof.
  - 10. T'ca.
  - Printing including the process of composing types for printing, printing by letter press, Lithography photogravure or other similar process or book-binding.
  - 12. Glass.
  - 13. Stone-ware pipes.
  - 14. Sanitary wares.
  - Electrical procelain insulators of high and low tension.
  - Refractorics.
  - Tiles. 17.
  - 18. Heavy and fine chemicals including the following :-
    - (a) Fertilizers;
    - (b) Turpentine;
    - (c) Resin:
    - (d) Medical and pharmaceutical preparations:
    - (e) Toilet preparations:
    - (f) Soaps;
    - (g) Inks:
    - (h) Intermediates, dyes, colour lacs and toners;
    - (i) Fatty acids; and
    - (j) Oxygen, Acetylene and carbou-di-oxide gases.
  - Indigo.
  - Lac including shellac
  - Non-edible vegetable and animal oils and fats.
  - 22. Mineral oil refining.
  - Industrial and power alchol.
  - 24. Asbestos cotton sheets.

<del>artinista (h. 1888)</del> 25. Biscuit making industry, including composite units making biscuits and products, such as bread, confectionary and milk powder.

- 26. Mica.
- 27. Plywood,
- Automobile repairing and servicing. 28.
- Rice milling.
- 30. Flour milling,
- Dal milling. 31.
- 32. Starch,
- Petroleum or natural gas exploration, prospecting, drilling, production or refining.
- 34. Leather and leather products.
- 35. Stoneware Jars.
- 36. Crockery.
- 37. Fruit and vegetable preservation industry, that is to say, any industry which is engaged in the preparation or production of any of the following articles, namely :--
  - (i) Canned and bottled vegetables,
  - (ii) Canned and bottled fruits and pulps;
  - (iii) frozen fruits and vegetables;
  - (iv) jams, jellies and marmaldes;
  - (v) tomato products, ketchups and sauces;
  - (vi) squashes, crushes, cordials and ready-toserve beverages or any other beverages containing fruit juice or fruit pulp:
  - preserved, candied and crystallised fruits and peals;
  - (viii) chutneys;
  - (ix) any other unspecified item relating to the preservation or canning of fruits and vegitables.
- 38. Confectionery.
- 39. Buttons.
- 40. Brushes.
- 41. Plastic and plastic products.
- 42. Stationary products.
- 43. Aerated water, soft drinks or carbonated water
- 44. Distilling and rectifying of sprits (not falling under industrial and power alchol) and blending of sprits.
- 45. Paint and varnish,
- 46. Bone crushing.
- Pickers. <del>4</del>7.
- 48. Milk and milk products.
- 49. Non-ferrous metals and alloy in the form of ingots,
- 0. Stemming, redrying, handling, sorting, grading or packing of tobacco leaf.

- 51. Agarbattee (including dhoop and dhoop battee)
- 52. Tobacco Industry that is and industry engaged in the manufacturing of cigars, zarda, sunff, quivam and guraku from tobacco.
- Paper including hand made paper and other paper products.
- 54. Licensed salt.
- 55. Linoleum and Indoleum.
- 56. Explosives.
- 57. Fire works and precussion cap works.
- 58. Tent making.
- 59. Ferro manganese.
- 60. Ice and ice cream.
- 61. Winding of thread and yarn recling.
- 62. Beer manufacturing.
- 63. Ferro Chrome.
- 64. Diamond cutting.
- 65. Myrobalan extract powder, mytrobalan extract solid and vegetable tennin blended extract.
- 66. Plantations
  - (a) Tea (other than tea plantations in the State of Assam);
  - (b) Coffee;
  - (c) Cardamom;
  - (d) Pepper; and
  - (e) Rubber.
- 67. Mines
  - (a) Bauxite;
  - (b) China Clay;
  - (c) Chromite;
  - (d) Diamond;
  - (e) Dolomite;
  - (f) Graphite;
  - (g) Iron Ore;
  - (h) Lignite;
  - (i) Lime stone;
  - (j) Magnesite;
  - (k) Manganese; and
  - (f) Mica.
- 68. Coffee curing establishments.
- Newspaper establishments, as defined in the Working Journalists (Conditions of Service and Miscellaneous Provisions) Act, 1955.
- 70. Road motor transport establishments.
- 71. Cane farms, owned by the owner or occupier of a sugar factory or cultivated by such owner or occupier or any person of his behalf.

- 72. Hotels.
- 73. Restaurants.
- 74. Establishments engaged in the storage or transport or distribution of petroleum or natural gas or products of either petroleum or natural gas.
- 75. Cinemas including preview theatres, film studios, film production concerns, distribution concerns dealing with exposed films and film processing laboratories.
- 76. Trading and Commercial establishments engaged in the purchase, sale or storage of any goods, including establishments of exporters, importers, advertisers commission agents and brokers and commodity and stock exchanges, but not including banks or warehouses established under any Central or State Act.
- 77. Establishments engaged in the processing or treatment of wood including manufacture of hardboard or chipboard jute or textile wooden accessories, cork products, wooden furniture, wooden sports goods, cane or bamboo products, wooden battery separators.
- 78. Saw Mills, wood seasoning kilns, wood preservation plants and wood workshops.
- 79. Laundry and laundry services.
- 80. Theatres where dramatic performances, or other forms of entertainments are held and where payment is required to be made for admission as audience or spectators.
- 81. Societies, club or associations which provide board or lodging or both or facility for amusement or any other service to any of their members or to any of their justs on payment.
- 82. Companies, Societics, Associations, Clubs or Troupes which give any exhibition of acrobatic or other performances or both, in any arena circular or otherwise or perform of permit any other form of entertainment in any place, other than a theatre, and required payment for admission into such exhibition or entertainment as spectators or audience.
- 83. Canteens.
- 84. Attorneys, as defined in the Advocates Act, 1961 (25 of 1961).
- 85. Chartered or registered accountants, as defined in Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949).
- 86. Cost and Work Accountants within the meaning of the cost and Works Accountants Act, 1959 (23 of 1959).
- 87. Engineer and engineering contractors, not being exclusively engaged in building and construition industry.

- 88. Architects.
- 89. Medical practitioners and medical specialists.
- 90. Travel agencies engaged in (i) booking of international air and sea passages and other travel arrangement, (ii) booking of internal air and mail passages and other travel arrangements, and (iii) forwarding and clearing of cargo from and to overseas and within India.
- 91. Forwarding agencies engaged in the collection, packing forwarding or delivery of any goods including carloading, break-bulk service and foreign freight service.
- 92. Stone quarries producing roof and floor slabs dimension stones, monumental stones and mosaic chips.
- 93. Banks doing business in one state or Union Territory and having no branches or departments outside the State or Union territory.
- 94. Establishments engaged in sorting, clearing and testing of cotton waste industry.

- 95. Garmonts making factories.
- 96. Establishments which are factories engaged in the manufacture of glue and gelatine.
- 97. Establishments engaged in fish processing and non-vegetable food preservation industry including bacon factories and perk processing plants.
- 98. Financial establishments (other than banks, doing business in more than one State or Union Territory, Unit Trust of India, Agricultural Refinance Corporation, Industrial Development Bank of India, Industrial Finance Corporation of India and State Finance Corporations) engaged in the activities of borrowing, lending, advancing of money and dealing with other monetary transactions with a view to carn interest.

[S. 35011]9[88-88.H]
MEENA GUPTA, Director